

शिव जी की महिमा अपरम्पार है

शिव जी की महिमा अपरम्पार है
आया शिवरात्रि का त्यौहार है,
चरणों में नतमस्तक संसार है,
आया शिवरात्रि का त्यौहार है,

जिनके उर में सर्पों की माला है,
भस्म रमाए बैठा डमरू वाला है,
सिर पर जिनके गंगा की धार है,
दुनिया उनकी करती जय जयकार है,
शिव जी की महिमा अपरम्पार है,
आया शिवरात्रि का त्यौहार है।।

भांग धतूरा बेल पत्र ले आए है,
गंगा जल में अक्षत फूल सजाए है,
होंठों पे भरे बस ओमकार है,
शिवजी के मंत्रों का गुंजार है,
शिव जी की महिमा अपरम्पार है,
आया शिवरात्रि का त्यौहार है,

ईच्छा जन जन की ये पूरी करते है,
झोली हरदम भक्तों की ये भरते है,
दर्शन करने से ही उद्धार है,
गजब अनुज देवेन्द्र इनका शृंगार है,
शिव जी की महिमा अपरम्पार है,
आया शिवरात्रि का त्यौहार है,

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/20910/title/shiv-ji-ki-mahima-aparmpar-hai>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |